

Date:- 19/08/2019 Bengali (শাকাহার) - ১-৩৪৬, ৩৪৫, ৩২
B.A 1st Semester

① সেম্যাটে বাচ্চা বাবার :- একটি বাবা শুণিত, দীর্ঘ অক্ষর দৃঢ়ভূত ও বাচ্চা কল্প প্রস্তুত্যজন), বাবা অস্ত্রীচ দ্বাচ্চাখণ

) অস্মাচ কল্পক বাকাহুন :— গুপ্ত- মন্ত্রীবিষ, বাচ্চা শুণিত, দীর্ঘ অক্ষর দৃঢ়ভূত লাক, দীর্ঘ অক্ষর লাক, প্রবদ্ধীভোগী লাক, প্রক্ষেপ্ত্র ক্ষম্ভাস্তুর পীরিজাত অস্মাচ, কাণ্ডক- পীরণীক পীরণু,

) পীরীব রূচনা :— শীরীজ্যোতি পীরণীপুর পীরীত্ব শীরী, পীরীত্ব রূচনা, শীরীজ্যোতি পুর, দুর্বাদ পুর পীরীত্ব কুশিয়ালের দীর্ঘ বেদন পীটনা বীরা

— আমার লাক যা অকার্মক বা অৰ্তভাস্তু কাকে মচন ?
উন্মাদুন স্বাতু।

॥ :- এক লাকের পৌরুষচে দুই চকু অর্গুবেশিক অন্যতে
ই জেকলা লাক বাবন্দুত ইন্দু দোতলোকে দুই লাকীরে
— অমার্মক লাক যা অকার্মক বা অৰ্তভাস্তু মচন পুনু।

টিদাপুরুন :—

১) অৰুঁ :— অৱল, লাখু, শীক, পীরণীপুর, মুতাজাৰ,

২) অৰ্তভাস্তু :— আগন্তুক, আয়োগত, পুকাগত,

৩) আকাশ :— গগন, লাক: অশু, কশ্যাল, অক্ষীক,
— নুড়ালকুল,

আশু :— আশু, অৰীত, আশোদ, পৌরুষোদ,

শুচু :— অৰ্তভাস্তু, অৰ্তভুটো, আকাশীকা, কালো
শাকু, অশু, মুচোশু, লালদা, মালনা,

পীকাশুন :— কশু, অঠা, মুচুটীত: অশু, কাশুবু,

গাঁও :- আগীনুন্দী, আকুমী, পুষ্পবলি, চৰাগাপতি।
বৈশ্বনুপালী,

খুল :- আগামু, কুলুম, আবাদ, এবণ, আলংকাৰ,
বৈনুমু, বৈনুকেতন,

চন্দ :- পুরিগুলি, সৈন্ধবজাহাঙ্গুলি, বৈশ্ব, লজ্জাবীৰু, পুরোকুল,
জলাহাঙ্গুল, চন্দজা, বৈনু, কুলাশ, বৈনুজাপীতি,
বৈনুজারাম, বৈনুজাকান্তি, কলারীতীয়।

পুরুণ :- পুরুণ, পুরুন, পুরু, অৱা, উৎক।

অগুর্দ :- পুরু, পুরুণাণা, পুরুচ,

বৈগু :- পুরু, পুরু, পুরুণ, উৎকুল,

বৈন :- অৱ, পৈবে, লজ্জাৰী, অলাদ, অৰি, অপু,

বৈনী :- ভৌটী, পৌরুষ, অগুর্দনী,

বৈনীকুত :- পুরুী, মনীমৰি, শীলাৰ, বৈনুজানু,

পাল :- পুরুীয়, আভ্রাণ, কলাম, অগুর্দনু,

বৈনীমৰি :- পৌরুনী, পৈনী, পৈনু, পুরুী, পুরুছী,
অবৰী,

পৈবত :- পীগীশ, আচাৰ, গোৱ, ফুধু,

বৈবদ্ধুত :- পৌদীজনী, পৈবলী, ভৌড়, অলীন,
চলাচা,

বৈন :- অগুন, পৈবীপুৰ, পোৱুৰ, অটোৰী,

বৈনুক :- ভৌ, পৌৰী, অকীতুত, পালু,

বৈনুকু :- পৈবনাঞ্জ, জামা, বৈনুৰ, অগুন, কালা,

ନୀତି :- ଦୁଃଖ, ଦୁର୍ଗୀତ, ଦୁଃଖ, ଶାଶ୍ଵିକାରୀତ, ପଚ୍ଛମ,

ଲୋକୀତ :- ସମ୍ବୂଧନ, ଅନ୍ତିମ, ଅନ୍ତିମ, ଅନ୍ତିମ,

ଦର୍ଶନ :- ଶୁଦ୍ଧାକର୍ଷ, ଧର୍ମବାଦୁ, ଜୀବିତ, ଧାର୍ମିକ,

ଧର୍ମ :- ଜନି, ଅନ୍ତିମ, ଉତ୍ସବ, ଆଜୀବିକା, ଧୂଳିଗ,

ବୈଦ୍ୟୁତ :- ଶୀତ୍ତଳ, ପଞ୍ଚବାଦୀ, ଚକଳାନୀ, ଶବ୍ଦକ.

ପ୍ରକାଶ :- ଚନ୍ଦ୍ର, ମହାକାଶ, ରତ୍ନ, ଶୁଦ୍ଧିକାଶ, ପ୍ରକାଶ,

ଦୁର୍ଗ :- ଅଧିକର୍ତ୍ତା, ମହାକାଶ, ଶୀରତୀ, ଅପାନ, ଅତେକର୍ତ୍ତା,

ଶ୍ରୀଯ.

ଅଧିକ :- ଚନ୍ଦ୍ରଭାଣ୍ଡ, ମହିଦିବ, ହୃଦୟକ, ମହାଲୋକାନ୍ଧ,

ଅତୀତ :- ପୂର୍ବତି, ଚନ୍ଦ୍ର, କାନ୍ତି, ପ୍ରକାଶ,

କୁତୀ :- ପ୍ରକାଶି, ଶୁଦ୍ଧି, ଶୀରତୀ, କାନ୍ତି, ଲାକୁ,

ଶୀରତୀ,

କାନ୍ତିକ କାନ୍ତି ମୁଣ୍ଡ ? କାନ୍ତିକ କାନ୍ତି ଏକାନ୍ତ କୁ କୀ ?

କାନ୍ତିର ଦାତ ମ୍ୟାଧ୍ୟା-କର୍ତ୍ତା ?

ମୁଣ୍ଡ ଶାକ୍ୟର ଅନ୍ତଗତେ କ୍ରିଷ୍ଣା ମନ୍ଦିର (ବାମାମନାନ୍ଦିର) ଦେଶମଧାରକ
ଶାକ୍ୟ କାନ୍ତିର ରାଜ୍ୟ,

କାନ୍ତିକ ଜୁମ୍ବ ପ୍ରକାଶ :-

① କାନ୍ତିକାନ୍ତିକ

② ମହି କାନ୍ତିକ

③ କନ୍ଦଳ କାନ୍ତିର

④ ମହାମାନ କାନ୍ତିକ

⑤ ବାମାମନ କାନ୍ତିକ

⑥ ଭୀମିକାନ୍ତ କାନ୍ତିକ

କାନ୍ତିକର୍ତ୍ତା କାନ୍ତିର ନାମ :- ତୀର୍ତ୍ତିକାନ୍ତିକାନ୍ତାଙ୍ଗେ ପ୍ରଶନ୍ତ ରାତ୍ରି
କୁନ୍ଦତତେ ଶୀରତୀକର୍ତ୍ତା ମେଘ ମହାତତେଜୁର.

नक्कासों का प्रयोग विशेषज्ञ एवं शिक्षकों के बीच अवैध

मनुष्य का स्वास्थ्य— यह आप स्वास्थ्य के काम करने वाला है।
नक्कासों का प्रयोग क्या होता ? अन्त मनुष्य का वे सब
प्राणी जीव साथ भर्ती का स्वास्थ्य देता है— जो क्या होता ?
कौनसों द्वारा— एक स्पृशन करना।

जीवों का स्वास्थ्य करने का तरिका

⑩ इति ग्रन्थं धोदिते छो— → कीमिस्ट्रा → इन्हीं द्वारा (कूप्त),
जो काम का स्वास्थ्य उपलब्ध भी क्षमित्वा विशेषज्ञ हैं—
(जाता, मिलता, कहते)

प्राणीजनक का स्वास्थ्य

कठोर गायके दर्जी प्राणी और अग्रजे गायके वीकासनाल शर्करा आदि
गोलाबी देखदेते न्यासके नकारके वीकासनाल गोलाबी आदि
गोलाबी देखदेते न्यासके वीकासनाल का स्वास्थ्य—

जीवों का स्वास्थ्य—

१) जीवों के गैर गाओ— → कामके गैर गाओ— → जीवों के (साल
गीर्वाल द्वारा यजूदीयों के गैर गाओ— → गैर गाओ— → गीर्वाल के गैर गाओ—)

जीवों के गैर गाओ— जीवों के गैर गाओ— जीवों के गैर गाओ—
गीर्वाल द्वारा गैर गाओ— गैर गाओ— जीवों के गैर गाओ— जीवों के गैर गाओ—
गीर्वाल द्वारा गैर गाओ— जीवों के गैर गाओ— जीवों के गैर गाओ—

अलादा विशेषज्ञों का स्वास्थ्य

ज्ञानवेद (कठोर) गोत, गति, गति, घृणीति, वैश्वी
गुणितवान् विवरिति इन तीनों गोत, गति, गति, घृणीति
जीवों के विशेषज्ञों के गति, गति, गति, घृणीति इन तीनों गोत,

जीवों का स्वास्थ्य— नवाकाला विशेषज्ञों के गति,

ইকান্তা পুনরাবৃত্তি? কালকাতা.

- (i) যাপ্ত উপর এবং পার্শ্বাঙ্গে \rightarrow ইকান্তা পুনরাবৃত্তি? যাপ্ত
(ii) তিমি পুনরাবৃত্তি কোন পুনরাবৃত্তি? তিমি
অলান্ধাৰ কানুক সাধারণত পার্শ্বজীবী পুনরাবৃত্তি
হ'ব — (পুনরাবৃত্তি, পুনরাবৃত্তি)

জীবিকানুন কানুক:

পুনরাবৃত্তি অধিকারী জীবিকানুন কানুক হ'ব।
কখন যা ইকান্তা অপ্ত কৰে, তা উভয় পার্শ্ব
হ'ব তাৰি জীবিকানুন কানুক।

উদাহৰণ মৌলি:— আমন্ত্রা ইন্দোপকাল
বাজারে চৰ্বোৱা।

আমন্ত্রা ইকান্তা চৰ্বোৱা \rightarrow বাজারে
ভোকন্ত্রা কখন চৰ্বোৱা \rightarrow সকাল।

(i) পুনরাবৃত্তি অকাল পুনরাবৃত্তি অকাল
অকাল মনুসী পুনরাবৃত্তি পুনরাবৃত্তি অকাল

জীবিকানুন মনুসী পুনরাবৃত্তি হ'ব (ক, ত, প)

- (i) পুনরাবৃত্তি অবীত ভীত সার্বিক পুনরাবৃত্তি
(ii) জীত বড় দুষ্ট পাতি পুনরাবৃত্তি পুনরাবৃত্তি

জীবিক আকৰ্ষণ:—

- ১ জীৱ, অীজীৱ, আকাশ, মূৰ, কানু,
জ্বল, জীবু, বারী,

পুনরাবৃত্তি আকৰ্ষণ:—

- ১ অপ্ত — পার্শ্বাঙ্গ
অপ্ত — পদার্থে পুনরাবৃত্তি অপ্ত

১) অংশ — চাহুড়া

অংশ — পাঞ্জু

২) অংশ — শূল

অংশ — প্রত্যাবৃ চিকিৎসা

৩) গৌরবনাম — অনবশ্বত

গৌরবনাম — দ্রোণ

৪) উপকুল — উপকুল

উপকুল — উপকুল

৫) উপকুল — উপকুল

উপকুল — উপকুল

৬) ~~বীমলতা~~ বীমলতা — অনুবীক্ষণ

বীমলতা — অনুবীক্ষণ

৭) আঙ্গুষ্ঠি — চাহুড়া

আঙ্গুষ্ঠি — আঙ্গুষ্ঠা

তিতুলিক বা দালোচীপুতুল নামঃ—

অংশ অংশ

{ অংশ —> প্রকাট

{ অংশ —> প্রাণের প্রাচুর্যতাপুতুল

{ বীরীপুতুল —> অন্যান্য

{ বীরীপুতুল —> কীভুত

{ অংশ —> চাহুড়া

{ অংশ —> পাঞ্জু

{ অংশকু —> অদৰমুক্ত, অজ্ঞান

{ অংশকু —> আদীকৃষ্ণীন

{ অংশকু —> তোল্পনকু

{ অংশকু —> চকীকু